

of parts or is it the percentage of value?

Shri Manubhai Shah: Percentage of value. The general formula accepted is the complete CIF value of a CKD unit and local costs is compared to the CIF value of the components imported.

Shri B. K. Galkwad: May I know the number of scooters and motor-cycles which are in use and also the requirements of the country?

Mr. Deputy-Speaker: That has already been stated.

Shri Tangamani: From the statement it is seen that our requirements will increase to about 60,000 by the end of the Third Five Year Plan. May I know whether any specific target has been fixed for the Third Plan?

Shri Manubhai Shah: As I have already said, we have fixed a target of 60,000. But, in view of the fact that the demand is fast increasing in other sectors of the national economy, more production is being envisaged in the Third Plan period. The House will appreciate that whereas the normal growth of economy is taken as 10 to 20 per cent in other sectors, here we have taken it at 600 per cent.

श्री प्र० मु० तारिक : मैं यह जानना चाहता हूँ क्या यह हकीकत है कि एक हिन्दुस्तानी बाहरी ने हुकूमत को एक स्कीम इस सिलसिले में दी है कि अगर उसे इजाजत दी जाय तो इस मुल्क में स्कूटर की मौजूदा कीमत की निस्फ कीमत पर स्कूटर तैयार करके बाजार में सप्लाई कर सकता है ?

[میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ
کہا یہ حقیقت ہے کہ ایک ہندوستانی
شہری نے حکومت کو ایک اسکیم اس
سلسلے میں دی ہے کہ اگر ایسے اجازت
دی جائے تو اس ملک میں اسکوتر
کی موجودہ قیمت کی نصف قیمت
پر اسکوتر تیار کر کے بازار میں سپلائی
کر سکتا ہے -]

श्री मनुभाई शाह : हमारे पास ऐसी कई स्कीम नहीं आई है। वैसे हमारे पास स्कीमों में बहुत सारी आती रहती हैं लेकिन उनकी लागत और कीमत के बावजूद पर हम भरोसा नहीं कर सकते हैं क्योंकि उत्पादन का जो खर्च है वह जब एक दफा फैक्टरी लगाते हैं तब पता चलता है कि उस में क्या खर्च होता है।

श्री म० सा० द्विवेदी : जिस स्कूटर की कीमत १७५० रुपये थी वह इस वक्त २८०७ रुपये में बिक रहा है तो मैं जानना चाहता हूँ कि इसकी क्या वजह है ?

श्री मनुभाई शाह : ऐसी तो कोई बात नहीं है। पहले जो दाम थे वही सही कीमत है और वह दाम कौस्टिंग फिक्स करके नियत की जाती है। एक और स्कीम है और पंजाब में जापानी कोर्नोवोर्गेशन से स्कूटर बनाने की फैक्टरी लगाई जा रही है और वहां से बन कर निकलने वाला स्कूटर ऐसा होगा जिसका कि दाम आज के स्कूटर के दाम से शायद आधा होगा।

श्री खादीवाला : क्या माननीय मंत्री जी को यह जानकारी है कि पहले जो हिन्दुस्तान मोटर निकली थी, उस की कीमत नौ हजार रुपया थी, जब कि आज उस की कीमत चौदह हजार रुपया है ? मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या स्कूटर और दूसरी चीजों के भाव भी इसी तरह से दिन-प्रति-दिन बढ़ने जायेंगे, या सरकार की ओर से उन को कम करने का प्रयत्न किया जायेगा

उपाध्यक्ष मंत्री : यही तो वह बता रहे हैं।

Manufacture of Steel Props at Vikhroli

*1179. **Shri Bibhuti Mishra:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an Indo-British plant for the manufac-

ture of steel proposals and scaffolding system for construction purposes is proposed to be established at Vikhroli near Bombay;

(b) when the plant is expected to be constructed; and

(c) to what extent Vikhroli plant is going to save foreign exchange by restricting imports?

The Minister of Industry (Shri Manubhai Shah): (a) Yes, Sir.

(b) By the end of 1961.

(c) The import of Iron and Steel Structures has been banned since the last three years; hence there would not be direct saving in foreign exchange but it will help to meet our fast increasing internal demands. The value of the production of the undertaking on establishment of full licensed capacity, would be of the order of Rs. 48 lakhs per annum.

श्री विभूति मिश्र : इस कारखाने में जो प्रान्स बनाये जायेंगे, उन का कितना परसेंट सरकार अपने खर्च के लिये लेगी और कितना परसेंट ग्राम जनता को देगी ?

श्री मनुभाई शाह : वह सारा पब्लिक के लिये है। अगर सरकार को भी चाहिये, तो वह टेंडर से खरीदेगी। इस बात का भ्रन्दाजा नहीं लगाया जाना है कि हर एक फ्रैक्टी से कितना खरीदा जायगा।

श्री विभूति मिश्र : माननीय मंत्री कहते हैं कि सरकार को कोई भ्रन्दाजा नहीं है, लेकिन मैं निवेदन करना चाहता हूं कि धाज अधिकतर लोहा पब्लिक सेक्टर में खर्च हो जाता है और प्राईवेट सेक्टर को बहुत कम मिलता है। इस लिये मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने पहले से कुछ निश्चित कर रखा है कि पब्लिक को कितना दिया जायगा और वह अपने काम के लिये कितना लेगी क्योंकि प्रान्स का उप-

योग लक्ष्मी के प्रभाव में बहुत ज्यादा होता है।

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य इस बारे में बहस न करें। **Shri Indrajit Gupta.**

Shri Indrajit Gupta: May I know.. Sir, the hon. Minister is not listening.

Mr. Deputy-Speaker: He is listening. If he does not answer his question, he might complain.

Shri Indrajit Gupta: What are the terms of collaboration with the British firm in setting up this plant and on the Indian side is it the Government or some private company?

Shri Manubhai Shah: It is a private company, called, the Hindustan Construction Company, which has secured collaboration with a British company and about 50 per cent partnership by a British firm envisaged.

न्यूयार्क में विश्व मेला

+

*११८०. { श्री न्यूनाथ सिंह :
श्री प्रकाशबीर शास्त्री :
श्री अरविन्द घोषाल :
श्री मोहम्मद इलियास :

क्या बाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि न्यूयार्क में १९६४ में होने वाले विश्व मेले में भारत ने भी भाग लेने का निश्चय किया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इसकी कोई योजना बनाई गई है और उस सम्बन्ध में व्यय का कुछ अनुमान लगाया गया है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि न्यूयार्क से इस सम्बन्ध में एक प्रतिनिधिमण्डल भारत प्राया था ?

बाणिज्य तथा उद्योग उपमंत्री (श्री सतीश चन्द्र) : (क) मामला विभाग-धीन है।